



3 अप्रैल 2019

प्रेस विज्ञप्ति

त्रि-दिवसीय कश्मीरी अनुवाद कार्यशाला प्रारंभ

नई दिल्ली। 3 अप्रैल 2019 समकालीन पंजाबी कहानियों के कश्मीरी में अनुवाद की एक त्रि-दिवसीय अनुवाद कार्यशाला का उद्घाटन आज साहित्य अकादेमी, रवींद्र भवन, नई दिल्ली में किया गया। यह कार्यशाला प्रख्यात कश्मीरी लेखक तथा साहित्य अकादेमी के कश्मीरी परामर्श मंडल के संयोजक अज़ीज़ हाजिनी के निर्देशन में आयोजित की जा रही है तथा इसमें कश्मीरी भाषा के जाने माने एवं उभरते 10 अनुवादक भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के लिए पंजाबी भाषा के जोगिंदर सिंह शान को विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किया गया है। कार्यशाला का उद्घाटन साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासरव की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने कहा कि इस अनुवाद कार्यशाला से कश्मीरी भाषा के पाठकों को पंजाबी कहानियों के परिदृश्य की जानकारी मिल सकेंगी, जोकि कश्मीरी साहित्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने युवा कश्मीरी अनुवादकों की इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए धन्यवाद देते हुए उनकी सराहना की। इस त्रि-दिवसीय कार्यशाला में भाग ले रहे अनुवादक हैं – रियाज़-उल-हसन, यूसुफ जहाँगीर, रवींद्र रवि, निर्धन महाराज, मो. शफी रथ, निसार नदीम, शबनम तिलगामी, यूनुस वहीद, फारुक शाहीन तथा अंजली अदा। कार्यशाला 5 अप्रैल 2019 तक चलेगी। कार्यशाला के निदेशक अज़ीज़ हाजिनी ने बताया कि इस कार्यशाला में अनूदित कहानियों को शीघ्र ही पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिससे कश्मीरी साहित्य में एक नया अध्याय जोड़ने में मदद मिलेगी।

(के. श्रीनिवासरव)